झारखण्ड सरकार

झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पत्रांक :– रा0खा0आ0 (विविध) 17 / 2022 -680

प्रेषक,

संजय कुमार
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

सेवा में,

सचिव
स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग,
झारखण्ड, राँची।

राँची, दिनांकः– 16.8.2022

विषयः– शुक्रवार को विद्यालय एवं MDM बंद रहने संबंधी प्रकाशित समाचार पर कार्रवाई के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में निदेशानुसार कहना है कि दैनिक समाचार पत्र दैनिक जागरण में दिनांक–27.07.2022 को "MDM बंद था फिर भी शुक्रवार की छुट्टी नहीं पकड़ सके अधिकारी" शीर्षक से समाचार प्रकाशित हुई है। प्रकाशित समाचार में विद्यालयों में शुक्रवार को विद्यालय बंद रहने एवं इस कारण MDM बंद रहने का उल्लेख किया गया है। साथ ही MDM की निगरानी के लिये शुरू किये गये टेलीफोन बेस्ड मॉनिटिरंग सिस्टम निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाया गया है।

अतः उपरोक्त प्रकाशित समाचार पत्र के कतरन की प्रति संलग्न कर आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित की जा रही है।

अनु0–यथोक्त।

विश्वासभाजन

16/8/22

(संजय कुमार)
सदस्य सचिव,
झारखण्ड राज्य खाद्य आयोग, राँची।

पता–झारखण्ड राज्य आवास बोर्ड के पुराने भवन का द्वितीय तल, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, राँची–834002
email-jharfoodcommission@gmail.com, Ph. No:-06512252267/2252261

(A) (20)

दैनिक जागरण

दिनांक :— 27/7/2022

Put up
29/7/22

28/7/22

619
28.07.22

एमडीएम बंद था फिर भी शुक्रवार की छुट्टी नहीं पकड़ सके अधिकारी

संजय ब्यूरो, रांची : जिन स्कूलों में नाम बदलकर रविवार की बजाय शुक्रवार को अवकाश शुरू कर दिया गया था, वहां बच्चों को शुक्रवार को मिड डे मील (एमडीएम) भी नहीं दिया जा रहा था। इन स्कूलों में रविवार को बच्चों को मिड डे मील दिया जा रहा था। प्रखंड से लेकर जिला और मुख्यालय के अधिकारी भी इसे पकड़ नहीं सके। इसमें पूरी तरह सभी स्तर के पदाधिकारियों की लापरवाही सामने आ रही है।

राज्य सरकार ने मिड डे मील की निगरानी के लिए कई साल पूर्व से ही टेलीफोन बेस्ड मानिटरिंग सिस्टम शुरू किया है। इसके तहत

- मिड डे मील की जांच को प्रत्येक दिन 20 स्कूलों को मुख्यालय से किया जाता है फोन
- शुक्रवार को स्कूलों में अवकाश के लिए प्रखंड से लेकर विभाग के अधिकारी तक जिम्मेदार

मुख्यालय से प्रतिदिन 20 स्कूलों को फोनकर वहां बच्चों को दिए गए मिड डे मील की जानकारी ली जाती है। बच्चों को मिड डे मील में क्या दिया गया, किस शिक्षक ने मिड डे मील परोसने से पहले चखा आदि की जानकारी ली जाती है। एक-दो बच्चों से बात करने का भी प्रयास किया जाता है। निश्चित रूप से कभी न कभी शुक्रवार को उन स्कूलों में भी फोन गए होंगे, जहां उक्त दिन अवकाश दिया जा रहा था। इसके बाद भी रविवार की जगह शुक्रवार को स्कूल बंद होने का मामला मुख्यालय के संबंधित पदाधिकारियों या कर्मियों की पकड़ में नहीं आया। ऐसे में इस निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठता है। इस संबंध में पूछे जाने पर मिड डे मील देख रहे एक पदाधिकारी ने कहा कि कभी-कभी किसी स्कूल में फोन करने पर नहीं भी लगता है।

कभी-कभी स्कूल में फोन नहीं भी उठता है। संभव है कि फोन नहीं उठने के कारण भी यह मामला संज्ञान में नहीं आ पाया हो। वहीं, प्राथमिक शिक्षा निदेशक दिलीप कुमार टोप्पो ने कहा कि झारखंड मध्याह्न भोजन प्राधिकरण द्वारा इसकी समीक्षा की जा रही है कि यह मामला पहले पकड़ में क्यों नहीं आया।